

अयोध्या नाथ से जाकर पवनसुत हाल कह देना लिरिक्स



अयोध्या नाथ से जाकर,
पवनसुत हाल कह देना,
तुम्हारी लाइली सीता,
हुई बेहाल कह देना,
अयोध्या नाथ से जाकर,
पवनसुत हाल कह देना।bd।

जब से लंका में आई,
नहीं श्रृंगार है कीन्हा,
नहीं बांधे अभी तक,
खुले है बाल कह देना,
अयोध्या नाथ से जाकर,
पवनसुत हाल कह देना।bd।

यहाँ रावण सदा धमकी,
मुझे तलवार की देता,
करो तलवार के टुकड़े,
ये अंजनीलाल कह देना,
अयोध्या नाथ से जाकर,
पवनसुत हाल कह देना।bd।

अंगूठी राम को देकर,
सुनाना हाल सब दिल का,
भूले राम सीता को,
ये अंजनीलाल कह देना,
अयोध्या नाथ से जाकर,
पवनसुत हाल कह देना।bd।

अगर एक मास के अन्दर,
मेरे राम ना आये,
तो सीता राम ना पाये,
ये अंजनीलाल कह देना,
अयोध्या नाथ से जाकर,

पवनसुत हाल कह देना।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



अयोध्या नाथ से जाकर,
पवनसुत हाल कह देना,
तुम्हारी लाइली सीता,
हुई बेहाल कह देना,
अयोध्या नाथ से जाकर,
पवनसुत हाल कह देना।

गायक – पं. श्री रविकांत भार्गव ।
प्रेषक – मनोज ।
9425072274